केंद्रीय श्री सनातन धर्मसभा द्वारा जरुरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन सराहनीय प्रयास : बोधराज सीकरी

पंजाब केसरी
— www.PunjabKesari.com —

गीता भवन सनातन धर्मसभा ने किया सामूहिक विवाह समारोह

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी) : न्यू कालोनी स्थित गीता भवन के प्रांगण में सनातन धर्मसभा गीता भवन द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर 11 जरुरतमंद परिवारों की कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर ने कहा कि इससे पूर्व केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा द्वारा जरुरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाता था। गीता भवन के आग्रह पर अब यह कार्यक्रम गीता भवन द्वारा आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्था सभी वर-वधु को रोजमर्रा की वस्तुएं भेंट स्वरुप देती है। संस्था के महासचिव देवराज आहूजा ने कहा कि संस्था इससे पूर्व सामाजिक व धार्मिक कार्यों का आयोजन समय-समय पर करती रहती है। संस्था के प्रवक्ता बालकृष्ण खत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा अतीत में

करीब 22 वैवाहिक सम्मेलनों में 135 वर-वधुओं का सामूहिक विवाह कर चुकी है। जिस वक्त इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी, उस वक्त बहुत से ऐसे परिवार होते थे, जिन्हें कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक समस्या होती थी।

हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था गत कई वर्षों से सामाजिक व धार्मिक कार्य करती आ रही है। सामूहिक विवाह समारोह आयोजित कर आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों को पूरा सहयोग करती है, वहीं धार्मिक कार्यों का भी प्रचार-प्रसार करती है। इस प्रकार के आयोजन सराहनीय हैं। अन्य संस्थाओं को भी इस संस्था के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में मुगलों के भय से विवाह के दौरान विवाहित लड़कियां घूंघट करती थी। उन्होंने कहा कि आज समय बदल गया है। उन्होंने नवविवाहित युवतियों से आग्रह किया कि उन्हें घूंघट की बजाय आंखों में लाज रखनी चाहिए। घूंघट की प्रथा पूरे देश में करीब समाप्त हो चुकी है।

राष्ट्रीय दैनिक
संस्थापक अमर कर्मयोगी स्व. श्री तिलकराज जी अरोड़ा
जगत क्रान्ति

सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : न्यू कालोनी स्थित गीता भवन के प्रांगण में सनातन धर्मसभा गीता भवन द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर 11 जरुरतमंद परिवारों की कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर ने कहा कि इससे पूर्व केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा द्वारा जरुरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाता था। गीता भवन के आग्रह पर अब यह कार्यक्रम गीता भवन द्वारा आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्था सभी वर-वधु को रोजमर्रा की वस्तुएं भेंट स्वरुप देती है। संस्था के महासचिव देवराज आहूजा ने कहा कि संस्था इससे पूर्व सामाजिक व धार्मिक कार्यों का आयोजन समय-समय पर करती रहती है। संस्था के प्रवक्ता बालकृष्ण खत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा अतीत में करीब 22 वैवाहिक सम्मेलनों में 135 वर-वधुओं का सामूहिक विवाह कर चुकी है। जिस वक्त इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी, उस वक्त बहुत से ऐसे परिवार होते थे, जिन्हें कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक समस्या होती थी। हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था गत कई वर्षों से सामाजिक व धार्मिक कार्य करती आ रही है। सामूहिक विवाह समारोह आयोजित कर आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों को पूरा सहयोग करती है, वहीं धार्मिक कार्यों का भी प्रचार-प्रसार करती है। इस प्रकार के आयोजन सराहनीय हैं। अन्य संस्थाओं को भी इस संस्था के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

दैनिक
भरोसा मित्र

ना इधर की ना उधर की बात सिर्फ भरोसे की

गीता भवन सनातन धर्मसभा ने किया सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

एसके अरोड़ा, भरोसा मित्र

गुरुग्राम। न्यू कालोनी स्थित गीता भवन के प्रांगण में सनातन धर्मसभा गीता भवन द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर 11 जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर ने कहा कि इससे पूर्व केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा द्वारा जरूरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाता था। गीता भवन के आग्रह पर अब यह कार्यक्रम गीता भवन द्वारा आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्था सभी वर-वधु को रोजमर्रा की जरूरत भेंट स्वरूप देती है। संस्था के महासचिव देवराज आहूजा ने कहा कि संस्था इससे पूर्व सामाजिक व धार्मिक कार्यों का आयोजन समय-समय पर करती रहती है। संस्था के प्रवक्ता बालकृष्ण खत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा अतीत में करीब 22 वैवाहिक सम्मेलनों में 135 वर-वधुओं का सामूहिक विवाह कर चुकी है। जिस वक्त इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी, उस वक्त बहुत से ऐसे परिवार होते थे, जिन्हें कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक समस्या होती थी। [illegible] के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष [illegible] ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था सब कई वर्षों से सामाजिक व धार्मिक कार्य करती आ रही है। सामूहिक विवाह समारोह आयोजित कर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को पूरा सहयोग करती है, वहीं धार्मिक कार्यों का भी प्रचार-प्रसार करती है। इस प्रकार के आयोजन सराहनीय है। अन्य संस्थाओं को भी इस संस्था के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में कुरीतियों के भय से विवाह के

दौरान विवाहित लड़कियां घूंघट करती थी। उन्होंने कहा कि आज समय बदल गया है। उन्होंने नवविवाहित युवतियों से आग्रह किया कि उन्हें घूंघट की बजाय आंखों में लाज रखनी चाहिए। घूंघट की प्रथा पूरे देश में करीब समाप्त हो चुकी है। आज बदलते वक्त में पुत्रवधू व बेटी में कोई फर्क नहीं माना जाता। आयुर्वेदिक चिकित्सक डा. [illegible] अरोड़ा ने कहा कि अतीत में कुरीतियों के भय से लोग अपने कन्याओं का विवाह रात्रि के समय करते थे। आज बदलते वक्त के साथ-साथ देश के कई राज्यों में कई समुदायों द्वारा दिन के समय विवाह किया जाता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि दिन के समय विवाह किया जाए तो इससे न केवल धन की बचत होगी, बल्कि हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार विवाह समारोह काफी अच्छे ढंग से संपन्न भी हो पाएगा। कार्यक्रम के दौरान [illegible] नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए सुखद जीवन की कामना की। [illegible] लाया गया। जहां संस्था द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया। अन्नकूट भी आयोजित की गई। केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा एवं गीता भवन के पदाधिकारियों के अलावा [illegible]